

हे मोहनखेड़ा महाराजा श्री राजेंद्र सूरी गुरुराजा लिरिक्स



हे मोहनखेड़ा महाराजा,
श्री राजेंद्र सूरी गुरुराजा,
गुरु भक्तों में छाई है खुशियां,
बाजे नोबत द्वारे बाजा,
हो. आई सातम की ये रात,
गुरुवर आएँगे,
भक्तों की सुनके पुकार,
वो रुक ना पाएँगे,
हैं मोहनखेड़ा महाराजा।bd।

तर्ज- तेरी आंखिया को यो काजल ।

स्वागत में हम बैठे,
राहो में पलके बिछाए,
माता केशर के नंदन,
आओ भक्त ये तुम्हे बुलाए,
सुनलो ये अर्ज हमारी,
बस एक कमी है तुम्हारी,
गुरुदेव ये तरस रही है,
तेरे दर्श को अंखिया हमारी,
हो. हम दिल से पुकारे,
गुरुवर आपको आना है,
भक्तों की सुनके पुकार,
है दर्श दिखाना है,
हैं मोहनखेड़ा महाराजा।bd।

गुरु भक्ति का रंग चढ़ा है,
सब झूमे नाचे गाये,
'महावीर देसाई' स्वरो से,
गुरुदेव को आज रिझाये,
गुरु भक्तों में आनंद छाया,
हर दिल में गुरु समाया,
श्री राजेन्द्र सूरी का 'दिलबर',
यश दुनिया में छाया,
हो. आई सातम की ये रात,
गुरुवर आएँगे,
भक्तों की सुनके पुकार,
वो रुक ना पाएँगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हे मोहनखेड़ा महाराजा,
श्री राजेंद्र सूरि गुरुराजा,
गुरु भक्तों में छाई है खुशियां,
बाजे नोबत द्वारे बाजा,
हो. आई सातम की ये रात,
गुरुवर आएँगे,
भक्तों की सुनके पुकार,
वो रुक ना पाएँगे,
हैं मोहनखेड़ा महाराजा lbd।

गायक – महावीर देसाई, सूरत।
लेखक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'
नागदा जक्शन म.प्र.
मो. 9907023365